ड्रोन से घेराबंदी कर माधोगढ़ में ढहाया शराब माफिया का किला

अशोक नगर पुलिस का 'ऑपरेशन क्लीन' : 8 .75 लाख का माल तबाह

नवभारत न्यूज

अशोकनगर 8 फर. का। पुलिस ने रविवार तड़के एक ऐसी साहसिक और तकनीकी रूप से उन्नत कार्रवाई को अंजाम दिया, जिसकी गूँज पूरे अंचल में सुनाई दे रही है। पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के कुशल नेतृत्व में अशोकनगर पुलिस बल ने कचनार थाना क्षेत्र के ग्राम माधोगढ़ में 'ओर नदी' के किनारे चल रही अवैध कच्ची शराब की फैक्ट्री पर धावा बोलकर माफियाओं के साम्राज्य को तहस-नहस कर दिया।

यह कार्रवाई न केवल अवैध शराब की जब्ती के लिए, बल्कि पुलिस की रणनीति और आधुनिक तकनीक के सटीक तालमेल के लिए भी याद की जाएगी। जब पूरी दुनिया गहरी नींद में सो रही थी, तब अशोकनगर पुलिस अपनी रणनीति को जमीन पर उतार रही थी। सुबह के ठीक 4 बजे, जब अंधेरा घना था, एसडीओपी विवेक शर्मा के नेतृत्व में एक विशाल पुलिस बल ने माधोगढ़ गांव को चारों तरफ से घेर लिया। इस संयुक्त दल में पिपरई, कचनार, देहात, बहादुरपुर, शाडोरा, नईसराय, कोतवाली और पुलिस लाइन का भारी बल शामिल था। यह समय इसलिए चुना गया क्योंकि नदी किनारे बसे इस दुर्गम क्षेत्र में अपराधी अक्सर पुलिस के आने की भनक लगते ही झाड़ियों और पानी का फायदा उठाकर भाग निकलते थे। लेकिन इस बार पुलिस की 'सर्जिकल स्ट्राइक' इतनी गुप्त और तेज थी कि आरोपियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

ड्रोन तकनीक से 'आसमान' से रखी गई नजर

माधोगढ़ का यह इलाका अपनी भौगोलिक बनावट के कारण बेहद चुनौतीपूर्ण है। नदी का किनारा, घनी झाड़ियाँ और ऊबड़-खाबड़ रास्ता हमेशा से पुलिस के लिए सिरदर्द रहा है। अपराधियों की हर चाल को मात देने के लिए पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा ने इस बार ड्रोन तकनीक का सहारा लिया। जैसे ही पुलिस टीम जमीन पर आगे बढ़ी, आसमान में उड़ते ड्रोन ने झाड़ियों में छिपे शराब भट्टी के ठिकानों और भागने की कोशिश कर रहे आरोपियों की सटीक लोकेशन कंट्रोल रूम को दे दी। यह जिले में संभवत: पहली बार था जब अवैध शराब के खिलाफ सर्चिंग में इस स्तर की हाई-टेक निगरानी का उपयोग किया गया।

नदी किनारे चल रही थी मौत की फैक्ट्री

पुलिस ने जब नदी किनारे दबिश दी, तो नजारा चौंकाने वाला था। नदी के किनारे को ही शराब बनाने की फैक्ट्री में तब्दील कर दिया गया था। यहाँ न केवल बड़े पैमाने पर कच्ची शराब बनाई जा रही थी, बल्कि उस प्रक्रिया से नदी के जल को भी जहरीला किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में रमेश पारदी (150 लीटर शराब), पट्टा पारदी (110 लीटर शराब), श्यामलाल पारदी और प्रहलाद पारदी शामिल हैं। इनके अलावा झाड़ियों और पठारी क्षेत्र की तलाशी में अज्ञात आरोपियों द्वारा छोड़ी गई भारी मात्रा में शराब भी बरामद की गई।

8.75 लाख का मशरूका: पुलिस ने जमींदोज किया शराब का अड्डा

इस पूरी कार्रवाई में पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत 06 प्रकरण दर्ज किए हैं। कार्रवाई का ब्यौरा किसी बड़ी सफलता से कम नहीं है। कार्रवाई के दौरान कुल 500 लीटर अवैध कच्ची शराब जब्त की गई, जिसकी बाजार कीमत लगभग 75,500 रुपये है। करीब 5000 लीटर शराब बनाने वाला कच्चा माल लहान पुलिस ने मौके पर ही नष्ट कर दिया, जिसकी कीमत 7 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है। शराब बनाने की टंकियां और अन्य बड़े उपकरण जब्त किए गए, जिनकी कीमत 50 हजार है। कुल मिलाकर पुलिस ने 8,75,500 रुपये मूल्य का मशरूका जब्त और नष्ट किया है। इसके साथ ही, नदी के पानी को प्रदूषित करने के गंभीर जुर्म में आरोपियों पर बीएनएस की धारा 279 के तहत अतिरिक्त कार्रवाई भी की गई है।

आगामी करीला मेले के मद्देनजर सख्त संदेश

पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा ने स्पष्ट कर दिया है कि यह तो बस शुरूआत है। आगामी करीला मेले को देखते हुए जिले में शांति व्यवस्था और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ऐसे अभियान निरंतर जारी रहेंगे। इस ऐतिहासिक कार्रवाई को सफल बनाने में एसडीओपी विवेक शर्मा, थाना प्रभारी पिपरई ओमप्रकाश मिश्रा, देहात थाना प्रभारी भुवनेश शर्मा, कचनार प्रभारी पूनम सेलर, बहादुरपुर प्रभारी नीलम यादव, सुनील पुरवैया और गौरीशंकर ओझा सहित समस्त पुलिस बल की भूमिका सराहनीय रही। मुस्तैदी ने साफ कर दिया है कि अशोकनगर में अब अपराधियों के लिए कोई 'सुरक्षित' कोना नहीं बचा है।

उन्नत आलू उत्पादन की तकनीक सीखेंगे किसान, बीज, पोषण प्रबंधन का प्रशिक्षण

अशोकनगर। जिले के किसानों को आलू की खेती में आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के ग्वालियर स्थित क्षेत्रीय आलू अनुसंधान केंद्र द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र अशोकनगर के सहयोग से एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शासकीय संजय निकुंज जंगार के परिसर में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान कृषि विशेषज्ञों ने आलू की उन्नत किस्मों जैसे कुफरी ख्याति, कुफरी लवकार और कुफरी चंद्रमुखी के प्रदर्शनों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। क्षेत्रीय आलू अनुसंधान केंद्र के प्रभारी डॉ. सुभाष कटारे, डॉ. समाधिया और डॉ. शर्मा ने उपस्थित कृषकों को उत्पादित आलू को ही बीज के रूप में संरक्षित करने और आगामी सीजन में उपयोग करने की तकनीकी सलाह दी। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. बी.एस. गुप्ता और डॉ. हेमंत कुमार त्रिवेदी ने आलू की फसल में लगने वाले प्रमुख कीटों और बीमारियों की पहचान व उनके बचाव के तरीके बताए। वैज्ञानिकों ने जोर दिया कि बेहतर पैदावार के लिए रसायनों के बजाय जैव उर्वरकों का उपयोग बढ़ाना चाहिए। अंत में किसानों को जैव उर्वरक और आवश्यक पोषक तत्व भी प्रदान किए गए।

प्रशासनिक और तकनीकी सहयोग

उद्यान अधीक्षक भागचंद जाटव और कृषि विज्ञान केंद्र के इंद्र सिंह मिर्धा ने भी किसानों को क्षेत्रीय स्तर पर आलू उत्पादन में आने वाली चुनौतियों के समाधान सुझाए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति वर्ग के कृषकों को आधुनिक तकनीक से जोड़ना है ताकि वे आलू की खेती को व्यावसायिक रूप से सफल बना सकें। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे, जिन्होंने वैज्ञानिकों से अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया।

एक नजर में

शादी की खुशियों में दबंगों ने घोला जहर

गुना। कैंट थाना अंतर्गत ग्राम बिसोनिया में एक दलित परिवार की खुशियाँ उस वक्त मातम में बदल गईं, जब गांव के ही दबंगों ने पुरानी रंजिश के चलते शादी समारोह के दौरान अचानक हमला बोल दिया। इस हमले में 21 वर्षीय युवक रंजीत सहरिया और उसके छोटे भाई की पत्नी प्रियंका गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के 4 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा पीड़ित के बयान दर्ज न किए जाने से प्रशासन की संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, घटना 4 फरवरी की है जब रंजीत सहरिया के बुआ के लड़के की शादी का कार्यक्रम चल रहा था। घर में दूल्हे को हल्दी चढ़ाने की रस्म निभाई जा रही थी। रंजीत ने बताया कि वह बाहर बच्चों को बुलाने गया था, तभी यादव परिवार के लोगों ने पुरानी रंजिश को लेकर उसे मकान के सामने ही घेर लिया और बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। रंजीत का आरोप है कि हमलावरों ने उस पर शराब पीने का झूठा आरोप लगाकर बदनाम करने की कोशिश भी की। इधर घर के अंदर रंजीत के छोटे भाई की पत्नी प्रियंका दूल्हे को हल्दी चढ़ा रही थी। जैसे ही उसे बाहर शोर-शराबा और मारपीट की आवाज सुनाई दी, वह अपने जेठ रंजीत को बचाने के लिए दौड़ी। लेकिन गांव के दबंगों ने महिला की मर्यादा का भी ख्याल नहीं रखा और प्रियंका के साथ भी जमकर मारपीट की। हमले में एक दर्जन से अधिक लोग शामिल बताए जा रहे हैं, जिन्होंने सहरिया परिवार पर अचानक धावा बोला था।

अशोक नगर में शिक्षकों का ऐतिहासिक शक्ति प्रदर्शन

21 सूत्रीय मांगों को लेकर निकली विशाल महारैली, ओपीएस बहाली की मांग

नवभारत न्यूज

अशोकनगर 8 फर. का। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के प्रांतीय आह्वान पर रविवार को अशोकनगर जिला मुख्यालय शिक्षकों के भारी हुजूम और नारों से गूँज उठा। पुरानी पेंशन बहाली और अमानवीय ई-अटेंडेंस व्यवस्था के विरोध सहित 21 सूत्रीय मांगों को लेकर जिले के लगभग 3000 शिक्षकों ने सड़कों पर उतरकर अपनी एकजुटता का परिचय दिया। इस विशाल धरने और महारैली के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर जल्द निराकरण की मांग की गई।

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष भीमसिंह यादव के नेतृत्व में आयोजित इस आंदोलन की शुरूआत दोपहर 12 बजे युगल सरकार मंदिर और रघुवंशी धर्मशाला के बीच स्थित मैदान में धरने के साथ हुई। तीन घंटे तक चले इस धरने के बाद शिक्षकों ने एक विशाल ओपीएस बाइक रैली निकाली।

यह रैली सचिंद्र राणा चौराहा, न्यू ओवरब्रिज, गांधी पार्क, रसीला चौराहा, तुलसी पार्क और अस्पताल चौराहा होते हुए तहसील प्रांगण पहुँची। यहाँ से शिक्षक पैदल मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुँचे, जहाँ कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

ई-अटेंडेंस का जमकर विरोध

आंदोलन के दौरान वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में थोपी जा रही ई-अटेंडेंस व्यवस्था पूरी तरह अव्यावहारिक और अमानवीय है, जिस पर तत्काल रोक लगनी चाहिए।

शिक्षकों की प्रमुख रूप से पुरानी पेंशन योजना को पुन: लागू करना। अध्यापक संवर्ग की नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना करना। स्थायी प्रमोशन (पदोन्नति) की प्रक्रिया को शीघ्र प्रारंभ करना। गुरुजी संवर्ग को वरिष्ठता का लाभ प्रदान करना।

संगठनों का मिला समर्थन

इस ऐतिहासिक आंदोलन को जिले के अन्य प्रमुख कर्मचारी संगठनों का भी भरपूर समर्थन मिला। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, कर्मचारी कांग्रेस व राज्य शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष रामगोपाल शिवहरे, कार्यकारी जिलाध्यक्ष दिलीप रघुवंशी, संयुक्त मोर्चा के जिलाध्यक्ष मनोज भटनागर और अध्यापक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नीलमसिंह तिगरी ने रैली में विशेष रूप से शामिल होकर ओपीएस की लड़ाई में अंतिम समय तक साथ देने का संकल्प दोहराया।

नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष का स्वागत

कार्यक्रम के दौरान जिले के प्रेमनारायण तिवारी को आजाद अध्यापक शिक्षक संघ का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर समस्त शिक्षक साथियों ने उनका भव्य स्वागत किया। जिलाध्यक्ष भीमसिंह यादव ने इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए सभी ब्लॉक अध्यक्षों, बीआरसीसी, बीएसी, जन शिक्षकों और संगठन के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इन जायज मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया, तो आंदोलन को और अधिक तीव्र किया जाएगा।

दो मोटरसाइकिलें आमने-सामने टकराई तो दो युवकों की मौत, तीन गंभीर घायल

बहादुरपुर। रविवार शाम विदिशा जिले के दीपनाखेड़ा थानांतर्गत बामौरी शाला में सिरोंज मार्ग पर पेट्रोल पंप के बाद एक दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में तेज गति में चल रहीं दो मोटरसाईकिलें आमने-सामने भिड़ गईं, जिससे दोनों मोटरसाईकिलों पर सवार पांच युवक लहूलुहान हो गए। इन में से युवकों को दीपनाखेड़ा थाना में तैनात एफआरव्ही 112 एवं दो युवकों को दीपनाखेड़ा थाने की पुलिस गाड़ी लेकर बहादुरपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंची। जहां ड्यूटी डॉक्टर शिवम यादव ने परीक्षण के बाद दो युवकों को मृत घोषित कर दिया जबकि तीन युवकों को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रिफर कर दिया। दुर्घटना में मृत हुए युवकों के नाम गोलू विश्वकर्मा निवासी लिधौरा सिरोंज उम्र 30 वर्ष एवं जितेन्द्र अहिरवार उम्र 25 वर्ष निवासी केशलोन अशोकनगर बताए गए हैं। जबकि घायलों में घासीराम, फूल सिंह और राजधर के नाम हैं। यह युवक कहां से आए थे, कहां जा रहे थे यह जानकारी नहीं मिल सकी। बताया गया है कि जब घायल युवकों को अस्पताल ले जाया गया तो अस्पताल में कोई स्टेऊ्वर नहीं मिली। मौके पर जमा भीड़ ने युवकों को उठाकर अस्पताल के अंदर किया। जहां एक मृत युवक को जमीन पर, एक को कुर्सी पर लिटाया गया, जबकि तीन युवकों में से एक को ओपीडी के टेबिल पर जगह मिली। अन्य दो युवकों को गैलरी में पड़े पलंगों पर लिटाया गया।

5 दिनों में 4 डिग्री चढ़ा पारा, अब दिन में चुभने लगी है धूप

अशोकनगर। जिले में फरवरी की शुरूआत के साथ ही मौसम के मिजाज में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। पिछले एक सप्ताह से कड़ाके की ठंड का असर कम हो गया है और तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। बीते पांच दिनों के भीतर अधिकतम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस का उछाल आया है, जिसके चलते अब दिन के समय ठंड का अहसास लगभग समाप्त हो गया है। रविवार को जिले का अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया, जबकि पांच दिन पहले यही पारा 23 डिग्री पर बना हुआ था। हालांकि, रात के समय अभी भी गुलाबी ठंड का प्रभाव बना हुआ है। बीती रात न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आसमान साफ होने और बादल छंटने के कारण सुबह से ही तेज धूप निकल रही है, जिससे दिन की शुरूआत होते ही ठंड गायब हो जाती है। वर्तमान में मौसम पूरी तरह साफ है, लेकिन रात और सुबह के समय ओस गिरने का सिलसिला जारी है। खेतों में खड़ी फसलों पर ओस की बूंदें जमी हुई देखी जा सकती हैं। बादल हटने के बाद मौसम में आए इस बदलाव का सीधा असर जनजीवन पर भी पड़ रहा है, लोग अब भारी गर्म कपड़ों से परहेज करने लगे हैं।

आगे और बढ़ेगी तपिश

मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, आने वाले दो दिनों में जिले के तापमान में और वृद्धि होने की संभावना है। अनुमान जताया गया है कि अधिकतम तापमान में 2 डिग्री और न्यूनतम तापमान में लगभग 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में माना जा रहा है कि फरवरी के दूसरे सप्ताह के अंत तक रात की ठंड में भी भारी कमी आएगी।

ग्रामीण ज्ञानालय सोशल वेलफेयर फाउंडेशन की कोर कमेटी की वार्षिक बैठक संपन्न

मुंगावली। रविवार को स्टेशन रोड स्थित सामुदायिक भवन में ग्रामीण ज्ञानालय सोशल वेलफेयर फाउंडेशन (ज्ञानालय परिवार) की प्रथम वार्षिक कौर बैठक आयोजित की गई बैठक में ज्ञानालय परिवार के मुखिया एवं विधायक पुत्र अर्जुन सिंह यादव सहित प्रत्येक गाँव के ज्ञानालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहें। सर्वप्रथम बैठक में उपस्थित ज्ञानालय परिवार के सदस्यों की अर्जुन यादव द्वारा उनके कार्यों की सराहना की गई ओर आगे भी इसी तरह कार्य करते रहने के लिए उत्साहित किया। बैठक में समिति ने निर्णय लिया कि इस वर्ष टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों को उनके द्वारा अपने गाँव/ वार्ड आदि में किये गए 'समाज सेवा कार्य' के आधार पर टूर्नामेंट में एंट्री दी जाएगी। इसके साथ ही समिति ने मुंगावली विधानसभा से बाहर के क्रिकेट खिलाड़ियों को किस तरह टूर्नामेंट का हिस्सा बनाया जा सकता है, इस विषय पर विस्तृत विचार चर्चा की। बैठक में सुझाव आए कि हर टीम में चंदेरी एवं अशोकनगर विधानसभा के कुछ खिलाड़ियो को मौक़ा दिया जा सकता है जिससे वो भी ज्ञानालय परिवार का हिस्सा बन सके एवं आगे के सामाजिक कार्यो में अपना सहयोग दे कर क्षेत्र एवं समाज की सेवा कर सकें। इसके अलावा इन सभी विषयों को लेकर आगामी समय में एक वृहद बैठक का आयोजन किया जाएगा जिसमे सभी टीमों के समस्त खिलाड़ियो को आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से अजितेश श्रीवास्तव, अविनाश यादव अन्नू, आयुष दुबे,इंद्रजीत यादव, अनिकेत भार्गव, अभिषेक माथुर, अभय बैस, श्याम मंगल दांगी, अरुण उपस्थित रहे।

चर्चा

भाजपा जिला अध्यक्ष तिवारी ने जी राम जी कानून की दी जानकारी

कांग्रेस की साजिश के बावजूद बनकर रहेगा विकसित भारत

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। हर गरीब को रोजगार और उसकी गरिमा का सम्मान मिले, इसी ध्येय के साथ केंद्र सरकार 'जी राम जी' कानून लेकर आई है। यह बिल महात्मा गांधी की भावनाओं के अनुरूप है और देश में रामराज्य की स्थापना की दिशा में एक बड़ा कदम है।' यह बात भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष आलोक तिवारी ने रविवार को एक विशेष चर्चा के दौरान कही।

उन्होंने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर तीखा प्रहार करते हुए सवाल किया कि आखिर विपक्ष को 'विकसित भारत' और 'भगवान राम' के नाम से इतनी नफरत क्यों है? आलोक तिवारी ने 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण' की बारीकियों को समझाते हुए कहा कि नई योजना में काम के दिन बढ़ाकर 125 दिन कर दिए गए हैं। जनजाति (रळ) क्षेत्रों में काम करने वाले मजदूरों को 25 दिन का अतिरिक्त रोजगार मिलेगा। उन्होंने आंकड़ों के साथ बताया कि मोदी सरकार ने मनरेगा पर अब तक 8.53 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जो कांग्रेस शासन की तुलना में कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि पुराना मॉडल आज की बदलती ग्रामीण अर्थव्यवस्था के अनुकूल नहीं था। नई योजना में पारदर्शिता के लिए अक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) द्वारा फ्रॉड डिटेक्शन, जीपीएस और मोबाइल मॉनिटरिंग जैसी तकनीक का उपयोग होगा, जिससे असली लाभार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा।

नामकरण की राजनीति पर कांग्रेस को घेरा

कांग्रेस द्वारा योजनाओं के नाम बदलने के आरोपों पर पलटवार करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा एक ही परिवार (गांधी-नेहरू) के नाम पर योजनाओं का नामकरण किया। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि 1980 में इंदिरा गांधी ने पुरानी योजनाओं को मिलाकर 'राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम' बनाया, जिसे बाद में राजीव गांधी ने अपना नाम दिया। इसी तरह आवास योजना और ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के नाम भी गांधी परिवार के नाम पर रखे गए। आलोक तिवारी ने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस ने देश के 600 संस्थानों और पुरस्कारों के नाम एक ही परिवार पर रखे, यहाँ तक कि खेल रत्न अवार्ड का नाम भी राजीव गांधी के नाम पर था, जिनका खेल में कोई योगदान नहीं था। मोदी सरकार में नाम नहीं, काम बोलता है। प्रधानमंत्री ने योजनाओं को अपने नाम से नहीं, बल्कि सेवा से जोड़ा है।

शिवकांत बने सचिव महासंघ के ब्लॉक अध्यक्ष

अशोकनगर। पंचायत सचिवों के अधिकार की लड़ाई के लिए सक्रिय रहने वाले संगठन मप्र पंचायत सचिव महासंघ ने अशोकनगर जिले की ग्राम पंचायत टोड़ा के शिवकांत चतुर्वेदी को चंदेरी ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश पटेल द्वारा की गई है। शिवकांत चतुर्वेदी के ब्लॉक अध्यक्ष बनाए जाने पर चंदेरी ब्लॉक में पंचायत सचिवों के बीच उत्साह देखा जा रहा है।

काकाखेड़ी में कृषक श्रमिक चौपाल का समापन, 'जी राम जी' योजना से अब 125 दिन के रोजगार की गारंटी

अशोकनगर। जिले के सोनेरा मंडल के अंतर्गत ग्राम काका खेड़ी में रविवार को भाजपा द्वारा 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण' के तहत एक दिवसीय कृषक श्रमिक चौपाल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित जी राम जी योजना के जिला संयोजक और पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष धर्मवीर रघुवंशी ने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर प्रकाश डाला। धर्मवीर रघुवंशी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा लाई गई वीबीजी-जीरामजी योजना का मूल मंत्र 'श्रमिकों का सम्मान और सुनिश्चित रोजगार' है। उन्होंने एक महत्वपूर्ण घोषणा साझा करते हुए बताया कि इस योजना के तहत अब ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की अवधि को 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। इस कदम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और प्रवासी मजदूरों को अपने ही गांव में काम के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। अपने संबोधन के दौरान रघुवंशी ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीणों और कृषक मजदूरों के हित में बनाई गई इस क्रांतिकारी योजना के बारे में कांग्रेस द्वारा दुष्प्रचार कर भ्रम फैलाया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे किसी भी प्रकार के भ्रम में न आएं और सीधे योजना का लाभ उठाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोनेरा मंडल अध्यक्ष अशोक रघुवंशी ने की। मंच का संचालन अवधेश रघुवंशी द्वारा किया गया और अंत में आभार प्रदर्शन भी मंडल अध्यक्ष द्वारा किया गया। चौपाल में क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें पूर्व मंडल अध्यक्ष संतोष रघुवंशी, महामंत्री अवधेश रघुवंशी, उपाध्यक्ष विनीत शर्मा, राजकुमार यादव, और विभिन्न ग्रामों के सरपंच—कुलदीप रघुवंशी (काका खेड़ी), जीतू रघुवंशी (सोबत) आदि शामिल रहे।